

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मानवता और पाप, सत्र 13, पाप का बाइबिल विवरण जारी, प्रमुख बाइबिल ग्रंथों की जांच

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा मानवता और पाप के सिद्धांतों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 13 है, पाप का बाइबिल विवरण जारी, प्रमुख बाइबिल ग्रंथों की जांच।

हम पाप के सिद्धांत का अपना अध्ययन जारी रखते हैं, और आइए हम परमेश्वर के वचन को खोलने से पहले प्रार्थना करें।

पिता, हम आपके सामने सिर झुकाते हैं। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आप हमारे पिता हैं, और हम यीशु मसीह में विश्वास के माध्यम से आपके बेटे या बेटियाँ हैं। हमें आशीर्वाद दें, हमें प्रोत्साहित करें, हमें सिखाएँ, हमें सुधारें, और हमें अपने मार्ग पर हमेशा के लिए ले जाएँ; हम मध्यस्थ यीशु मसीह के माध्यम से प्रार्थना करते हैं। आमीन।

अगले कुछ व्याख्यानों के लिए हमारा विषय मूल पाप का सिद्धांत है, जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण और उपेक्षित सिद्धांत है, खासकर आज। मैं पाप के बाइबिल विवरण पर थोड़ा और समय बिताना चाहता हूँ, हालाँकि हमने पिछले व्याख्यानों में इस पर काफी समय बिताया था, क्योंकि मैं चार बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदुओं को पुष्ट करना चाहता हूँ, प्रत्येक के लिए शास्त्रों को देखने के लिए समय निकालना चाहता हूँ।

पहला, पाप परमेश्वर के चरित्र के विरुद्ध अपराध है और उसके नियम का उल्लंघन है। मैं परमेश्वर के नियम और परमेश्वर के चरित्र के बीच संबंध दिखाना चाहता हूँ। दूसरा, पाप में अपराध और प्रदूषण शामिल है। मुझे पता है कि हमने पहले भी यह कहा है, लेकिन इस पर ज़्यादा ज़ोर नहीं दिया जा सकता। तीसरा, पाप में विचार, शब्द और कार्य शामिल हैं। और चौथा, एक दोहराव, लेकिन ज़रूरी बात, पाप धोखेबाज़ है।

पाप का बाइबिल में वर्णन जारी रहा। जॉन महीनी का वर्णन बहुत विस्तृत, व्यापक और गहरा था, और अंत में उन्होंने कैसे चीजों को एक साथ खींचा, यह शिक्षाप्रद भी था। और फिर भी हम इनमें से कुछ बिंदुओं को पुष्ट कर सकते हैं।

पाप परमेश्वर के चरित्र के विरुद्ध अपराध है। हमने दाऊद के पाप स्वीकारोक्ति के बीच भजन 51 देखा। हमारे सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार, भजन के शीर्षक हमारे पास मौजूद सबसे पुरानी हिब्रू पांडुलिपियों में हैं।

यह गायक गायक से दाऊद का एक भजन कहता है जब नबी नातान उसके पास गया और वह बतशेबा के पास गया। और पद 14 में वह कहता है, हे परमेश्वर, हे मेरे उद्धारक परमेश्वर, मुझे खून के अपराध से बचा। तो, भजन में भी इसके संकेत हैं।

लेकिन उल्लेखनीय बात यह है कि अन्य मनुष्यों, अर्थात् बतशेबा और उसके पति उरिय्याह के विरुद्ध किए गए पाप, व्यभिचार और हत्या, को वह अंततः परमेश्वर के विरुद्ध पाप मानता है। हे परमेश्वर, अपनी करुणा के अनुसार मुझे पर दया कर। अपनी असीम दया के अनुसार मेरे अपराधों को मिटा दे।

मुझे मेरे अधर्म से पूरी तरह धो ले और मेरे पाप से मुझे शुद्ध कर। क्योंकि मैं अपने अपराधों को जानता हूँ और मेरा पाप सदैव मेरी दृष्टि में रहता है। मैंने केवल तेरे ही विरुद्ध पाप किया है और वही किया है जो तेरी दृष्टि में बुरा है।

यहाँ एक दीर्घवृत्त है। यहाँ कुछ शब्द निहित हैं। और अब मैं अपने पापों को स्वीकार करता हूँ ताकि तुम अपने शब्दों में न्यायसंगत और अंतिम दिन अपने न्याय में निर्दोष ठहरो।

देखो, मैं अधर्म में जन्मा हूँ, और मेरी माँ ने पाप में मुझे गर्भ में धारण किया। यह नहीं कहा जा रहा है कि संप्रदाय का कार्य पापपूर्ण है। आखिरकार, भगवान ने आदम और हव्वा और सेक्स को बनाया है, अगर आप चाहें तो।

लेकिन यह कह रहा है कि वह था, वह उसका है, गर्भाधान से, वह थोड़ा पापी था। देखो, तुम भीतरी अस्तित्व में सच्चाई से प्रसन्न होते हो, जो हमारे पापों को स्वीकार करने का एक अच्छा कारण है। और तुम मुझे गुप्त हृदय में ज्ञान सिखाते हो।

और फिर, हमारे पापों को स्वीकार करने का एक अच्छा कारण। मैंने केवल आपके विरुद्ध पाप किया है और वही किया है जो आपकी दृष्टि में बुरा है। सभी पाप, जिनमें से अधिकांश अन्य लोगों या चीजों या जो कुछ भी है उसके विरुद्ध हैं।

सभी पाप अंततः ईश्वर के विरुद्ध पाप हैं। वह सर्वोच्च सत्ता है। हम उसे एक अच्छे कारण से ऐसा कहते हैं।

वह सब कुछ है। मैं सर्वेश्वरवाद नहीं सिखा रहा हूँ। वह अपनी रचना से अलग है।

लेकिन वह सर्वोच्च प्राणी है। वह अपने नैतिक कोड का दाता है। वह नैतिकता का देवता है।

वह उद्धार का परमेश्वर है। वह बाइबल की शिक्षाओं का परमेश्वर है, सृष्टि, विधान, मुक्ति और पूर्णता का परमेश्वर है। इसलिए, हमारे सभी कार्य अंततः उसकी उपस्थिति में कोरम देव द्वारा किए जाते हैं।

और सभी पाप अंततः परमेश्वर के विरुद्ध पाप हैं। उत्पत्ति 39.9 में, अगर कभी किसी के पास अपने पापों को छिपाने का बहाना था, तो वह यूसुफ था। यार, वह अपने पूरे जीवन में ऐसा ही कर सकता था।

मैं हार गया हूँ। देखो मेरे भाइयों ने मेरे साथ क्या किया। भगवान मुझसे प्यार नहीं करते। मैं जो चाहूँ कर सकता हूँ। कोई रास्ता नहीं। कोई रास्ता नहीं।

वह लगातार परमेश्वर की खोज में लगा रहा। उसने एक के बाद एक अच्छे काम किए और लगातार नेतृत्व के पद पर आसीन होता रहा। फिर जेल में उसके दोस्तों ने उसे भुला दिया और पोतीफर की पत्नी ने उस पर आरोप लगाया।

और पोतीफर की पत्नी के प्रति यूसुफ की प्रतिक्रिया हम नए नियम के विश्वासियों को शर्मसार करती है। यह मुझे हैरान कर देता है। वह इस्राएल से दूर है।

मैं जानता हूँ कि वह अभी तक इसराइल से दूर है। वह अपने पिता और अपने भाइयों से दूर है, जो इसराइल के शुरुआती दौर में थे। वह बिलकुल अकेला है।

फिर से, वह पोतीफर की पत्नी के प्रलोभनों का विरोध करता है और इसके लिए उसे दोषी ठहराया जाता है और जेल भेज दिया जाता है। और इसी वजह से वह जेल में बंद हो जाता है और इसी तरह की अन्य घटनाएँ होती हैं। लेकिन उसकी बात सुनिए।

अरे, मेरी बात। मेरे साथ लेट जाओ, वह उससे कहती है। यह महिला झाड़-झंखाड़ में नहीं घूम रही है।

वह इसके लिए तैयार हो जाती है। लेकिन उसने मना कर दिया और अपने मालिक की पत्नी से कहा कि वह ध्यान दे कि उसे किस तरह से संबोधित किया जाता है। देखो, मेरे कारण मेरे मालिक को घर में किसी भी चीज़ की चिंता नहीं है।

यह आदमी कितना बढ़िया नेता है। कितना ज़िम्मेदार आदमी है। और उसने अपना सब कुछ मेरे जिम्मे सौंप दिया है।

वह इस घर में मुझसे बड़ा नहीं है, और न ही उसने मुझसे तुम्हारे अलावा कुछ छिपाया है, क्योंकि तुम उसकी पत्नी हो। यहाँ एक छोटी सी बात और है। मूर्ख।

उसने ये शब्द नहीं कहे। मैं इतनी बड़ी दुष्टता कैसे कर सकता हूँ और परमेश्वर के विरुद्ध पाप कैसे कर सकता हूँ? उसका परमेश्वर-केंद्रित होना मुझे मार डालता है। उसके पास क्या था? परमेश्वर के अपने लोगों के साथ व्यवहार की कहानियाँ, है न? उसके पास कोई पुराना नियम नहीं था।

उसके पास सुसमाचार, प्रेरितों के काम, पत्रियाँ और प्रकाशितवाक्य नहीं थे। बस उल्लेखनीय। ईश्वर का एक उल्लेखनीय व्यक्ति, निश्चित रूप से जिसमें उसकी आत्मा निवास करती थी।

मैं आश्चर्यचकित हूँ। मैं चकित हूँ। मैं आभारी हूँ।

मैं विनम्र हूँ। पाप परमेश्वर के चरित्र के विरुद्ध एक अपराध है क्योंकि यह उसके पवित्र नियम का उल्लंघन है। हमने इसे 1 यूहन्ना 3:4 में देखा। पाप अधर्म है, है न? और यह सुधारवादी परंपरा है जिसने इसे बहुत अधिक महत्व दिया है।

पाप इससे कहीं ज़्यादा है। रोमियों 8:7 इस संबंध में शिक्षाप्रद है। हमें परमेश्वर के नियम और परमेश्वर के चरित्र को जोड़ने की ज़रूरत है।

हां, कानून के जिन पहलुओं पर बड़े पैमाने पर विचार किया गया है, वे पुराने हो चुके हैं। वे खत्म हो चुके हैं। लेकिन दस आज्ञाएँ परमेश्वर के पवित्र, न्यायपूर्ण और प्रेमपूर्ण चरित्र का प्रकटीकरण हैं, और वे चिरस्थायी हैं।

रोमियों 8 :6, क्योंकि शरीर पर मन लगाना तो मृत्यु है, परन्तु आत्मा पर मन लगाना जीवन और शान्ति है। क्योंकि शरीर पर मन लगाना परमेश्वर से बैर रखता है। वह परमेश्वर की व्यवस्था के अधीन नहीं होता, क्योंकि वह हो ही नहीं सकता।

जो लोग शरीर में हैं, जो उद्धार नहीं पाए हैं, वे परमेश्वर को प्रसन्न नहीं कर सकते। लेकिन तुम शरीर में नहीं हो, बल्कि आत्मा में हो, अगर वास्तव में परमेश्वर की आत्मा तुम में वास करती है। जिस किसी में मसीह की आत्मा नहीं है, वह उसका नहीं है।

मैं फिर से यही कहूंगा: यहूदियों की पोशाक, यहां तक कि दस आज्ञाओं वाली पोशाक भी पुरानी हो चुकी है। इसे खत्म कर दिया गया है। हम यहूदी नहीं हैं।

हम बलिदान देने के लिए बाध्य नहीं हैं। यह गलत होगा। अमेरिकी संस्कृति और दुनिया भर की अन्य संस्कृतियों में इजरायल के नागरिक कानून को फिर से स्थापित करना हमारा लक्ष्य नहीं होना चाहिए।

थियोनॉमी गलत दिशा में है। लेकिन दस आज्ञाएँ परमेश्वर के चरित्र का रहस्योद्घाटन हैं। और इस तरह, परमेश्वर की आज्ञाओं को तोड़ना स्वयं परमेश्वर के विरुद्ध अपराध है।

क्योंकि वे परमेश्वर के पवित्र चरित्र का प्रतिबिंब, अभिव्यक्ति, रहस्योद्घाटन हैं। जैसा कि ब्रूस वाल्टके ने अपनी ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी पुस्तक में दिखाया है, और पॉल हाउस ने भी अपनी ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी पुस्तक में, दस आज्ञाएँ दोनों नियमों में शास्त्रों की नैतिकता पर बहुत बड़ा प्रभाव डालती हैं। यह अकल्पनीय है कि वे कितने महत्वपूर्ण हैं।

क्योंकि वे परमेश्वर के चरित्र को प्रकट करते हैं ताकि हृदय से उसका आदर करना, उसके नियम और उसके वचन का पालन करना, उसे महिमा देता है। यह उसके चरित्र को बढ़ाता है। उसकी आज्ञाओं का उल्लंघन करना, चाहे हृदय से, आत्मा से, या अक्षर से ही क्यों न हो, वास्तव में आज्ञाओं को बाहरी रूप से तोड़ना, उसका अपमान करना है जिसने पहली जगह आज्ञाएँ दी थीं।

पाप में अपराधबोध और प्रदूषण शामिल है। मुझे पता है कि हमने पहले भी यह कहा है, लेकिन यह बहुत महत्वपूर्ण है। गलातियों 3. धर्मशास्त्रीय दृष्टि से, यह पाप का मूलभूत अंतर हो सकता है।

पाप गिरी हुई मानवता के साथ दो बड़े काम करता है। पहला, यह हमें न केवल परमेश्वर के प्रति उत्तरदायी बनाता है, बल्कि उसके सामने दोषी भी बनाता है, और उसके उद्धार की सख्त ज़रूरत होती है। और दूसरा, यह सिर्फ यह हैसियत नहीं है, यह रिश्ते की कमी है।

यह हमें भी संक्रमित करता है, वास्तव में हमारे जीवन में। मन और शरीर, शब्द, विचार और क्रियाएँ। इसलिए यह निंदा का एक कानूनी शब्द है, अपराधबोध का और साथ ही मनुष्यों और उनके जीवन के भ्रष्टाचार के लिए एक नैतिक शब्द है।

यह एक महत्वपूर्ण, दो महत्वपूर्ण धार्मिक समझ है कि पाप में क्या शामिल है। गलातियों 3 में, पौलुस ने परमेश्वर के पुत्र को उसके छुटकारे के कार्य के लिए प्रशंसा की। मसीह ने हमारे लिए अभिशाप बनकर हमें व्यवस्था के अभिशाप से छुड़ाया।

इसका क्या मतलब है? वह हमें बताता है, क्योंकि लिखा है, शापित है वह हर व्यक्ति जो पेड़ पर लटकाया जाता है। यीशु हमारा विकल्प है, और यहाँ, हमारा कानूनी विकल्प है, क्योंकि वह शापित पेड़ पर मरते समय दंड, कानून का अभिशाप, अपने ऊपर ले लेता है। पृष्ठभूमि गलातियों 3 की आयत 10 है। जो लोग व्यवस्था के कामों पर भरोसा करते हैं वे शापित हैं, क्योंकि लिखा है, शापित है वह हर व्यक्ति जो व्यवस्था की पुस्तक में लिखी सभी बातों का पालन नहीं करता और उन्हें नहीं करता।

वैसे, लगभग हर बिंदु पर, पॉल उद्धरणों के साथ समर्थन करता है, ठीक है, क्योंकि इस अध्याय में, विशेष रूप से श्लोक 15 से अंत तक, वह यहूदीवादियों का विरोध कर रहा है जिन्होंने पुराने नियम की एक बुनियादी गलतफहमी की है। उन्होंने कानून, मोज़ेक संस्था, दस आज्ञाओं और पूरे बालीविक पर ध्यान केंद्रित किया है, इसे अब्राहमिक वाचा के संदर्भ से बाहर निकाल दिया है। गलातियों 3:19 और उसके बाद, पॉल कहते हैं कि अब्राहमिक वाचा का संबंध अनुग्रह और उस वंश में विश्वास से है जो आने वाला है, जो मसीह है।

अब्राहमिक वाचा में परमेश्वर जानवरों के टुकड़ों के बीच से गुज़रता है, जिससे वह अपने लोगों के साथ वाचा को न निभाने पर खुद पर शाप लगाता है। परमेश्वर ने अब्राहम से कई चीज़ों का वादा किया: भूमि, एक महान नाम, उससे और उसकी बांझ पत्नी से आने वाले लोगों की बड़ी संख्या, वह भी बांझ था, और सभी परिवार, अगर हम उत्पत्ति 22 को उत्पत्ति 12 के साथ जोड़ते हैं, तो सभी राष्ट्र, पृथ्वी के सभी परिवार, प्रकाशितवाक्य 21 वास्तव में इसे पृथ्वी के सभी लोगों को बनाता है, इसे बहुवचन बनाता है, आपके माध्यम से आशीर्वाद दिया जाएगा। यह अंततः दुनिया भर में जाने वाले ईसाई मिशनों का वादा है।

बेशक, अब्राहम को समझ नहीं आया, लेकिन परमेश्वर को समझ आ गया। परमेश्वर को समझ आ गया। यहूदी धर्मावलंबियों ने दस आज्ञाओं और पूरे कानून को ही ले लिया, जो अब्राहमिक वाचा के अधीन था।

इसे अनुग्रह और विश्वास तथा वादा किए गए मध्यस्थ के प्रकाश में समझा जाना था। अरे नहीं, उन्होंने इसे तोड़कर पुराने नियम के धर्म को कानून और कानून-पालन और विधिवाद तथा उससे जुड़ी सभी चीज़ों का धर्म बना दिया। हृदय का विद्रोह, बलिदानों का औपचारिक प्रदर्शन।

तो, भविष्यवक्ता बलिदान के खिलाफ़ बोलते हैं, और उदारवादी कहते हैं, देखिए? यहाँ एक विभाजन है। भगवान ने ऐसा नहीं किया। हाँ, उन्होंने उन चीज़ों को ज़रूर किया।

वह चाहता है कि वे दिल से चढ़ाए जाएँ, और वह बलिदानों और उन्हें चढ़ाने वाले पुजारियों और आने वाले लोगों की निंदा करता है, इसलिए नहीं कि वह बलिदान नहीं चाहता था, जिसे उसने निर्गमन और लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में स्थापित किया था, बल्कि इसलिए कि वह चाहता था कि वे सच्चे दिल और सच्चे विवेक के साथ आएँ, जैसा कि इब्रानियों 10 ईसाइयों को उनकी पूजा के बारे में याद दिलाता है। यही कारण है कि पॉल बार-बार पुराने नियम, खासकर कानून का हवाला देता है। आप कानून को गलत समझते हैं।

आप इसे इसके संदर्भ से बाहर खींच रहे हैं। आप अनुग्रह और वादा किए गए व्यक्ति में विश्वास के धर्म को कर्मों के धर्म में बदल रहे हैं, और इस तरह, आप एक अभिशाप के अधीन हैं क्योंकि कानून कहता है कि जो कोई भी कानून की पुस्तक में लिखी सभी बातों का पालन नहीं करता है, वह शापित है। व्यवस्थाविवरण 27:26।

अब, यह स्पष्ट है कि कोई भी व्यक्ति व्यवस्था के द्वारा परमेश्वर के सामने धर्मी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि धर्मी व्यक्ति विश्वास से जीवित रहेगा। धर्मी व्यक्ति विश्वास से जीवित रहेगा, परन्तु व्यवस्था विश्वास नहीं है। बल्कि, जो उनका पालन करता है, वह उनके द्वारा जीवित रहेगा।

फिर वह अद्भुत श्लोक आता है। और वैसे, शाप, शाप, शाप, शाप। मैं भूल गया कि कितनी बार, चार बार।

शाप और शाप, है न? लेकिन उन आयतों से पहले, 10 से शुरू करते हुए, हमारे पास नौ हैं। तो फिर जो लोग विश्वास करते हैं, क्षमा करें, वे आठ के अंत में हैं। शास्त्र ने, यह पहले से ही जान लिया था कि परमेश्वर विश्वास के द्वारा अन्यजातियों को धर्मी ठहराएगा, इसलिए उसने अब्राहम को पहले से ही सुसमाचार का प्रचार करते हुए कहा, तेरे द्वारा सभी राष्ट्र धन्य होंगे।

तो फिर जो लोग विश्वासी हैं वे विश्वासी व्यक्ति अब्राहम के साथ आशीर्वादित हैं। धन्य, धन्य। और फिर शाप, एक शाप, 10. शापित, 10. शाप, 13. शापित, 13. शापित, 13. पाँच बार। मसीह ने हमें व्यवस्था के शाप से छुड़ाया।

यह स्पष्ट है कि इसका क्या मतलब है। कानून के दंड से लेकर कानून तोड़ने वालों के खिलाफ़ कानून की धमकी तक। उसने यह कैसे किया? हमारे स्थान पर क्रूस पर मरकर।

यह बाइबल में दंडात्मक प्रतिस्थापन के सबसे स्पष्ट स्थानों में से एक है। हम एक अभिशाप के अधीन हैं। मसीह हमें रास्ते से हटा देता है, और परमेश्वर के अभिशाप का वज्र हमारे बजाय उसके पापहीन प्रिय सिर पर पड़ता है।

मसीह ने हमारे लिए अभिशाप बनकर हमें व्यवस्था के अभिशाप से छुड़ाया। क्योंकि लिखा है, जो कोई पेड़ पर लटकाया जाता है, वह अभिशप्त है। आशीर्वाद, आशीर्वाद, पाँच अभिशाप।

और फिर आयत 14, ताकि मसीह यीशु में अब्राहम की आशीष अन्यजातियों तक पहुँचे ताकि हम विश्वास के द्वारा प्रतिज्ञात आत्मा प्राप्त कर सकें। क्योंकि यीशु ने व्यवस्था का अभिशाप लिया, इसलिए हमें उद्धार, अनन्त जीवन, परमेश्वर के साथ शांति और पापों की क्षमा का आशीर्वाद मिलता है जिसका वादा परमेश्वर ने अब्राहम से किया था। पाप में अपराध बोध शामिल है।

यीशु ने हमारे पापों की सज़ा ली ताकि हम क्षमा किए जा सकें, हालाँकि हम पवित्र परमेश्वर के सामने दोषी हैं। निर्दोष को हमारे लिए दोषी बनाया गया ताकि हम उसमें परमेश्वर की स्वीकृति प्राप्त कर सकें। 2 कुरिन्थियों 5:21 का एक बुरा अनुवाद, परमेश्वर ने उसे जो पाप से अनजान था, हमारे लिए पाप बना दिया ताकि हम उसमें परमेश्वर की धार्मिकता बन सकें।

मसीह हमारा प्रतिनिधि था, हमारा विकल्प जिसने हमारे स्थान पर, जो दोषी हैं, व्यवस्था का दण्ड लिया, ताकि हम मसीह के पापरहित जीवन और विशेष रूप से उसकी प्रतिनिधि मृत्यु के आधार पर परमेश्वर के सामने धर्मी और न्यायसंगत ठहराए जाएँ। जैसा कि हम पहले देख चुके हैं, इफिसियों 2:3 में भी अपराध की बात की गई है। हम स्वभाव से थे। पौलुस ने कहा कि हम बचाए जाने से पहले। इफिसियों 2:1 से 4 शास्त्रों में हमारे तीन शत्रुओं, संसार, शरीर और शैतान को दिखाने के लिए सबसे अच्छी जगह है, और यहाँ हम स्वभाव से, क्रोध की संतान थे, जैसे कि बाकी पतित मानव जाति। स्वभाव से का अर्थ है जन्म से। गलातियों 2:15, एनआईवी से तुलना करें। हम स्वभाव से, क्रोध की वस्तुएँ थे।

इस मुहावरे के कारण, क्रोध के बच्चों का अर्थ है क्रोध के पात्र लोग। यह एक पुराने नियम का हिब्रू मुहावरा है। हमने इसे पहले 2 शमूएल 12.5 में देखा था। वह मृत्यु का पुत्र है, जिसका अर्थ है कि वह मरने का हकदार है।

पाप में पवित्र परमेश्वर के सामने अपराध और निंदा शामिल है। अगर आप चाहें तो यह हमारी स्थिति है। इसी तरह हम अस्तित्व में हैं।

परमेश्वर का क्रोध, यूहन्ना 3:36, अकारण लोगों पर बना रहता है, चाहे उन्हें इसका एहसास हो या न हो। लेकिन पाप उससे कहीं ज़्यादा जटिल और विनाशकारी है। उससे भी ज़्यादा विनाशकारी? हाँ।

यह न केवल हमें हमारे निर्माता के साथ विवाद में डालता है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व को और इसलिए हमारे जीवन को भी दूषित करता है। आधुनिक शब्द एंथनी होकेमा द्वारा इस्तेमाल किया गया और भगवान की छवि में बनाया गया। यह हमें प्रदूषित करता है।

यह एक अच्छा शब्द है जब तक कि आपको बाहर और अंदर से पूरी तरह से प्रदूषित माना जाता है। मुझे लगता है इसका मतलब है कि आपका पर्यावरण नष्ट हो रहा है और साथ ही खराब पानी भी पी रहे हैं। ज़हर, मुझे नहीं पता।

वैसे भी, हम पाप करते हैं क्योंकि हम पापी हैं। सबसे ज़्यादा परेशान करने वाली आयत, उत्पत्ति 6:5 फिर से याद आती है। प्रभु ने देखा कि पृथ्वी पर मनुष्य की दुष्टता बहुत बढ़ गई है।

उसके दिल के विचारों का हर इरादा हमेशा बुरा ही था। और महोनी सही है। गिरने के बाद भी, यह ज़्यादा बेहतर नहीं हुआ।

हे भगवान! ओह! गलातियों 5:19-21, हमें उस पर थोड़ा और ध्यान देना चाहिए।

हमने पहले ही इसका ज़िक्र किया है। शरीर के कर्म आत्मा के फल के विपरीत हैं। किसी भी एक फल को लेना और शरीर के कर्मों की पूरी सूची को देखना और इसके विपरीत करना एक लाभदायक अभ्यास होगा।

शरीर के कर्म परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह में पापी स्वभाव द्वारा उत्पन्न दृष्टिकोण और कार्य हैं। आत्मा का फल, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, परमेश्वर के लोगों में अच्छे दृष्टिकोण और कार्य उत्पन्न करने के लिए आत्मा का कार्य है। जब तक हम उन्हें इस अंश में एक दूसरे के विरुद्ध नहीं देखते, तब तक उन्हें ठीक से नहीं समझा जा सकता।

आइए देखें कि कैसे पाप हमें न केवल परमेश्वर के सामने उत्तरदायी और दोषी बनाता है बल्कि हमें भ्रष्ट भी करता है। पाप के इस प्रभाव के लिए यही ऐतिहासिक शब्द है। अब, शरीर के काम स्पष्ट हैं।

पहली श्रेणी यौन है, और यह आकस्मिक नहीं है। रोमियों 1 में, जब पॉल मनुष्यों के विरुद्ध स्वर्ग से परमेश्वर के क्रोध, परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह, तथा अपनी सृष्टि में प्रकट परमेश्वर के ज्ञान को दबाने के विरुद्ध लड़ाई और लात-घूंसे के बारे में बात करता है, तो वह सबसे पहले मूर्तिपूजा, एक धार्मिक पाप का उल्लेख करता है। फिर, वह यौन पापों, विशेष रूप से समलैंगिकता का उल्लेख करता है।

उन्होंने यहाँ समलैंगिकता का ज़िक्र नहीं किया है, और उन्होंने क्रम को उलट दिया है, लेकिन यह कोई दुर्घटना नहीं है। इस बार, यह यौन पाप है, और फिर, दुखद नाम के लिए क्षमा करें, धार्मिक पाप। यह कितना विरोधाभासी है।

वे फिर से वही कर रहे हैं। यौन पाप और धार्मिक पाप में क्या समानता है? उनका संबंध मनुष्य की पहचान से है। बच्चे या तो लड़का पैदा होते हैं या लड़की।

भगवान ने कहा, हम मनुष्य को अपनी छवि में बनाएँ, और उसने ऐसा किया। उसने उन्हें अपनी छवि में बनाया, नर और मादा, और बाद में उत्पत्ति के अध्याय 2 में कहा, इस कारण से, एक

आदमी को अपनी पत्नी को छोड़ देना चाहिए, उसे छोड़ देना चाहिए, मुझे माफ करना, एक आदमी को अपने माता-पिता को छोड़ देना चाहिए और अपनी पत्नी से चिपक जाना चाहिए, और वे दोनों एक शरीर बन जाएंगे। भगवान लिंग, कामुकता, विवाहित संघ में यौन संबंधों के आनंद का निर्माता है।

आधुनिक प्रयासों, उत्तरआधुनिक प्रयासों के बावजूद भी हमें यौन प्राणी के रूप में पहचाना जाता है। हम वही हैं। हम उपासक भी हैं।

भगवान ने हमें उसकी पूजा करने के लिए बनाया है, और हम किसी की पूजा करेंगे। हम किसी की पूजा करेंगे। मुझे एक काउंसलर की दुखद स्थिति याद है, उसके जोड़े की सगाई हो चुकी है।

महिला को अपनी आँखों में सितारे नज़र आते हैं। पति को लगता है कि वह इस महिला पर कब्ज़ा करने जा रहा है। काउंसलर को उसकी असलियत पता चल जाती है, और वह एक सवाल से पूरी बात खत्म कर देता है।

जब उसे बिली के बारे में थोड़ा-बहुत पता चल जाता है, तो मैं नाम बदल देता हूँ। वह कहता है, बिली, वह कहता है, तुम्हारे पास एक खूबसूरत कार है, है न? अरे यार, मेरे पास है। और वह अपनी कार के बारे में लगातार बोलता रहता है।

वह कहता है, बिली, यह तुम्हारे लिए मुश्किल हो सकता है, लेकिन तुम्हें क्या लगता है कि तुम्हारे लिए क्या ज़्यादा ज़रूरी है, हेलेन या तुम्हारी कार? इस तरह उसने काउंसलर को दिखाया कि यह आदमी अच्छा इंसान नहीं है, अच्छा पति नहीं है। वह अपनी कार को उससे ज़्यादा महत्व देता है। आह, तुम देखो, हम उपासक हैं।

हम लिंग-आधारित प्राणी हैं, और हम पूजा करने वाले प्राणी हैं। यह सिर्फ़ इस बात का मामला है कि हम अपने लिंग-आधारित अस्तित्व का उपयोग कैसे करेंगे और हम अपनी पूजा को किस दिशा में निर्देशित करेंगे। इसलिए, अगर रोमियों 1, सबसे पहले, झूठी पूजा, मूर्तिपूजा और फिर समलैंगिकता में ईश्वर के उपहार कामुकता के झूठे उपयोग के खिलाफ बोलता है, तो यहाँ यह उलटा है।

और शरीर के कर्म, पापपूर्ण प्रवृत्ति, सबसे पहले इस तरह वर्गीकृत किए जाते हैं, यौन अनैतिकता, अशुद्धता, कामुकता, यौन पाप। हम लिंग आधारित प्राणी हैं। यह ईश्वर की ओर से एक उपहार है।

हमें अपनी कामुकता का उपयोग ईश्वर की महिमा के लिए करना चाहिए। ईश्वर हमारी सहायता करें। मूर्तिपूजा और जादू-टोना धार्मिक पाप हैं, अगर आप ऐसा कहें।

मूर्तिपूजा और जादू-टोना यहाँ भी बुरी संगति में हैं, जैसा कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में था। अध्याय 15 में, जब परमेश्वर अपने नबी को देने और भेजने के बारे में बात करता है, तो मेरे बारे में जानकारी कनानी लोगों के तरीकों से मत खोजो, और जादू-टोना उन तरीकों में से एक है जिसकी परमेश्वर ने निंदा की है। शरीर के अधिकांश कार्य, जो पाप के भ्रष्टाचार को दर्शाते हैं, वहीं हम हैं।

हमने पवित्र और न्यायी परमेश्वर के सामने पाप की निंदा के बारे में बात की है। अब हम मानव मन, शरीर और जीवन के वास्तविक भ्रष्टाचार के बारे में बात कर रहे हैं। अधिकांश विवरण पारस्परिक पाप, शत्रुता, संघर्ष, ईर्ष्या, क्रोध के दौरे, प्रतिद्वंद्विता, मतभेद, विभाजन और ईर्ष्या हैं।

पारस्परिक पापों पर इतना ज़ोर क्यों दिया गया है? क्योंकि यही गलातियों की समस्या है। हम इसे आत्मा के फल और शरीर के कामों से पहले गलातियों 5:15 में देखते हैं। यदि तुम एक दूसरे को काटते और खाते हो, तो सावधान रहो कि तुम एक दूसरे को खा न जाओ।

सावधान रहें। आप एक दूसरे को निगल न जाएं। कल्पना का कितना शक्तिशाली उपयोग है। और अध्याय पाँच की 26वीं आयत के बारे में क्या ख्याल है? तो, यहाँ पारस्परिक पापों के लिए पुस्तकें हैं।

यह वास्तव में अधिक जटिल है। मुझे लगता है कि यह चार-बिंदु वाला चियास्म है। और यह अंत से दूसरा पायदान है।

मुझे लगता है कि अब मैं इसके बारे में और अधिक समझाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ, है न? वैसे भी, गलातियों 5, 26, हमें अभिमानी नहीं बनना चाहिए, एक दूसरे को भड़काना नहीं चाहिए, एक दूसरे से ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए। बहुत जल्दी। पूरा मार्ग मुझे चियास्टिक, एक उलटी समानांतरता लगता है।

ए, पूरी व्यवस्था एक ही वचन में पूरी हो जाती है। आयत 13, मैंने इसे पढ़ा ही नहीं। 14 कहता है, अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना।

यह A है, ठीक है? 6:1, और 2, एक ईश्वरीय व्यक्ति अपने जीवन के चरम से गुजर चुका था जब मैं उसके जीवन में आया, लेकिन फिर भी उसका प्रभाव उस स्कूल में फैल गया जिसमें मैं था। यह एलन मैकरे है, जो पुराने नियम का विद्वान है। उसने सभी को अपने उदाहरण से सिखाया, और कभी-कभी यह अच्छा नहीं होता था।

पढ़ने के लिए, जब भी वह सार्वजनिक रूप से बाइबल पढ़ता था, तो वह बाइबल के अगले अध्याय को पढ़ता था। मैं कभी नहीं भूलूंगा। 6:1, और 2 गलातियों के प्रधान अध्याय हैं।

हे भाइयो, यदि कोई अपराध करते हुए पकड़ा जाए, तो तुम जो आत्मिक हो, नम्रता के साथ उसे सुधारो। अपने आप पर नज़र रखो, कहीं तुम परीक्षा में न पड़ जाओ। मुझे खेद है, पद 2 को शामिल किया जाना चाहिए।

ओह, मैंने कहा, 1 और 2. एक दूसरे का बोझ उठाओ और इस तरह मसीह के नियम को पूरा करो। यह प्रेम का नियम है, और टिप्पणीकार इस पर सहमत हैं। 5:13 और 14 में प्रेम।

6:1, और 2 में प्रेम। यदि आप चाहें तो आप इन चक्रों में एक पायदान पर आते हैं। बी पारस्परिक पाप है। 5, 15, एक दूसरे को काटना और खा जाना।

बी प्राइम, प्राइम बस थोड़ा बढ़ा हुआ अंक है। उदाहरण के लिए, बी को बी प्राइम से अलग करने के लिए, वे समान नहीं हैं। वे बिल्कुल एक ही शब्द नहीं हैं।

कभी-कभी वे होते हैं, लेकिन यहाँ वे नहीं हैं। बी प्राइम 5, 26 है, और वह है दंभ, उत्तेजना, ईर्ष्या: प्रेम, पारस्परिक पाप, पवित्र आत्मा।

आत्मा के अनुसार चलें, 1:6, 5:16। आत्मा के अनुसार जियें।

आइए हम आत्मा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। 5:25. लेकिन इसका क्या मतलब है? अगर हम आत्मा के द्वारा जीते हैं, तो आइए हम आत्मा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें।

क्या यह एक उपदेश नहीं है? आइए, हाँ। क्या यह 5:16 में एक आदेश नहीं है, आत्मा के अनुसार चलें? हाँ, यह एक आदेश है। आत्मा के अनुसार चलें, पुराने नियम की कल्पना।

आत्मा के द्वारा जीवन जियें। पवित्र आत्मा के साथ हाथ में हाथ डालकर चलें, उसकी आज्ञा का पालन करें। अध्याय 5 का 25 थोड़ा अलग है।

यदि हम आत्मा के द्वारा जीते हैं, यदि हमें अनन्त जीवन दिया गया है, यदि हमें पवित्र आत्मा द्वारा पुनर्जीवित किया गया है, तो हमें आत्मा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए। यह उपदेश आत्मा में चलने की आज्ञा के समान ही है। प्रेम, प्रेम करने के लिए उपदेश, पारस्परिक पापों की ओर इशारा करना, आत्मा के द्वारा जीने का उल्लेख करना, जो उन पारस्परिक पापों का प्रतिकारक है, और परमेश्वर द्वारा आज्ञा दी गई प्रेम को पूरा करने का तरीका है।

और फिर उसके अंदर, हमारे पास, आत्मा के माध्यम से, शरीर के कर्म हैं। वे चियास्म के केंद्र में हैं, और इस प्रकार इस पैटर्न के केंद्र में होने के कारण, इस मार्ग में उन पर जोर दिया गया है। मैं एक बात का उल्लेख कर सकता हूँ जो कभी-कभी छूट जाती है, और वह है श्लोक 24।

बेशक, इस अंश में मसीह के साथ एकता का संदर्भ है। जो लोग मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी वासनाओं और इच्छाओं के साथ क्रूस पर चढ़ा दिया है। न केवल आत्मा सहायक के रूप में शामिल है, बल्कि कार्य स्थल पर हमारी मदद करने के लिए कार्यकर्ता है, बल्कि प्रभु यीशु मसीह मर गया, और हम उसके साथ मर गए।

इस प्रकार, उसने पाप की शक्ति और हमारे जीवन पर उसके नियंत्रण को तोड़ दिया। यह सब कहने का तात्पर्य यह है कि, शरीर के कर्म मानव जीवन में पाप के भ्रष्टाचार, गहरे प्रदूषण को प्रदर्शित करते हैं। इस प्रकार पाप के प्रभावों का एक कानूनी आयाम है। हम दोषी हैं, हम परमेश्वर के क्रोध के अधीन हैं, और एक नैतिक आयाम भी है।

हम व्यक्तिगत रूप से पाप के कारण बर्बाद, भ्रष्ट और प्रदूषित हो चुके हैं। शरीर के कामों को खत्म करने के लिए, वे यौन, धार्मिक और पारस्परिक हैं, और फिर उनमें पूरी तरह से त्याग, अत्यधिक अति, अन्य अनियंत्रित जीवन और आत्म-नियंत्रण के पाप शामिल हैं। यह विपरीत है।

यह आत्मा के भोजन को लेना और उसके प्रकाश में शरीर के कार्यों की सूची को पढ़ना है। शराब पीना, रंगरेलियाँ मनाना और ऐसी ही अन्य चीजें। पॉल बहुत सावधान है।

जाहिर है, ईसाई इनमें से कुछ चीजों के दोषी हो सकते हैं। यह सिर्फ एक परिकल्पना नहीं है। चार गुना पाप की दूसरी सीढ़ी पारस्परिक पाप है, और शरीर के कर्मों की सबसे बड़ी सूची पारस्परिक पाप है।

फिर भी, उसके पास कहने के लिए एक महत्वपूर्ण बात है। मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ जैसा कि मैंने तुम्हें पहले भी चेतावनी दी थी, जो लोग ऐसे काम करते हैं वे परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे। क्या वह खुद का विरोध नहीं कर रहा है? नहीं, नहीं।

ईसाई लोग ऐसी चीजें कर सकते हैं, लेकिन जीवन के पैटर्न या आदत के मामले में ऐसी चीजें नहीं कर सकते। जिनके जीवन में केवल शरीर के कामों, शरीर के कामों की विशेषता है, और जो आत्मा के फल से पूरी तरह रहित हैं, वे बिल्कुल भी विश्वासी नहीं लगते। पादरी के दृष्टिकोण की बात करें तो, मैं कहूंगा कि इस पर सावधान रहें, क्योंकि बुरे दिन में, आप और मैं इतने अच्छे नहीं दिख सकते।

एक साल तक, दाऊद ने व्यभिचार और हत्या के पापों को अपने दिल में रखा। इसलिए, मैं इसे पादरी के रूप में इस तरह कहता हूँ। अगर कोई फल नहीं लगता है, अगर बहुत सारे खरपतवार लगते हैं, तो यह बहुत बुरा संकेत है, मैं इसे इस तरह कहता हूँ।

मैं आपको खरपतवार शब्द की सलाह देता हूँ, जो मुझे जॉन सैंडरसन की एक अच्छी छोटी किताब की याद दिलाता है, जो दुर्भाग्य से अब शायद छप चुकी है। पीएनआर पब्लिशिंग को ईमेल करें और कहें, कृपया इसे फिर से छापें - द फ्रूट ऑफ द स्पिरिट, जॉन सैंडरसन।

यह एक बहुत ही उपयोगी पुस्तक है। वह शरीर के कामों को खरपतवार कहता है, और इसमें कुछ औचित्य भी है क्योंकि अध्याय छह में आगे बढ़ने पर, पॉल बागवानी के इस रूपक पर लौटता है, बोनो और काटने आदि के बारे में बात करता है। खैर, बहुत हो गया, बहुत हो गया।

मैंने अपनी बात कह दी। मैंने अपनी बात कह दी। पाप के मानवजाति के लिए बहुत बड़े, बहुत ही घातक, क्षमा करें, परिणाम होते हैं।

यह हमें अपराधबोध के कारण ईश्वर के क्रोध और निंदा के अधीन बनाता है, न कि केवल अपराधबोध की भावनाओं के कारण। चाहे हम दोषी महसूस करें या न करें, हम पवित्र और न्यायी ईश्वर के सामने दोषी हैं। और इतना ही नहीं, यह हमें भ्रष्ट करके हमारे जीवन को बर्बाद कर देता है। और इस प्रकार, हमें अपराधबोध पर विजय पाने के लिए औचित्य में ईश्वर की कृपा की आवश्यकता है।

और हमें भ्रष्टाचार को महत्वपूर्ण उपायों में उलटने के लिए प्रगतिशील पवित्रता में ईश्वर की कृपा की आवश्यकता है। पूरी तरह से इस जीवन में नहीं, लेकिन यहाँ क्या है: मुझे होकेमा की

अभिव्यक्ति पसंद है: टोनी होकेमा, *अनुग्रह द्वारा बचाया गया*। कई बार, वयस्क संडे स्कूल में पढ़ाते हुए, कोई व्यक्ति कहेगा, मैं ईमानदारी से कहता हूँ, हाँ, लेकिन मैं अभी भी पाप से संघर्ष करता हूँ।

और कभी-कभी मैं सोचता हूँ, हे प्रभु, क्या मैं भी एक ईसाई आदमी हूँ? होकेमा के शब्द मेरे मन में आते हैं। हम पूरी तरह से नए नहीं हैं। हम वास्तव में नए हैं।

और वह पुकार, हे प्रभु, मेरी सहायता करो, रोमियों 7 में पॉल की तरह लगती है। मेरे पास कुछ मित्रों के लिए कुछ नोट हैं, और वे मुझे बाद में याद दिला सकते हैं। मुझे इस मृत्यु के शरीर से कौन छुड़ाएगा? हे प्रभु, मैं बहुत संघर्ष कर रहा हूँ। रोमियों 8 हमें बताता है कि क्योंकि हमारे पास आत्मा है, इसलिए हम कराहते हैं।

तो, कोई व्यक्ति अपने पापों से बिलकुल भी परेशान नहीं है, यह मार्टिन लूथर की तरह है, प्रभु का भोज पापियों के लिए है। कोई गरीब आदमी अपने पापों से अभिभूत है, वह कहता है, वह अच्छी तरह से योग्य है। उसे अपने पापों को स्वीकार करना चाहिए।

क्या आप बीमार होने पर डॉक्टर से दूर रहते हैं? क्या आप बीमारी के बढ़ने पर अस्पताल जाने से बचते हैं? लेकिन वह कहता है कि जिस व्यक्ति को किसी भी पाप का ज्ञान नहीं है, उसे प्रभु के भोज से दूर रहना चाहिए। अरे यार। पाप, तीसरे में विचार, शब्द और कार्य शामिल हैं।

विचार। निर्गमन 20 की आयत 17 में लिखा है, लालच मत करो। लालच करना किसी ऐसी चीज़ की अत्यधिक इच्छा करना है जो आपकी नहीं है।

और यह गलत है। यह हमारे पड़ोसियों के खिलाफ पाप है, और हमें अपने पड़ोसियों से अपने जैसा ही प्यार करना चाहिए। जैसा कि यीशु ने मत्ती 22 में कानून का हवाला देते हुए कहा है।

और जैसा कि हमने पहले बिंदु में सीखा, अपने पड़ोसी के खिलाफ पाप करना परमेश्वर के खिलाफ पाप है, जिसे हमें अपने पूरे दिल, आत्मा, दिमाग और ताकत से प्यार करना चाहिए। दूसरे शब्दों में, हर चीज़ के साथ। इसलिए, पाप, जिसमें विचार भी शामिल हैं, मैथ्यू 5:22 में यीशु की तरह लगता है। यदि आप अपने भाई से घृणा करते हैं, यदि आप अपने भाई के बारे में बुरा बोलते हैं, यदि आप अपने दिल में उससे नफरत करते हैं, तो आपने आध्यात्मिक रूप से हत्या कर दी है।

ओह, यीशु, क्या शिक्षक है। वह दिल तक पहुँचता है। वह गहराई तक पहुँचता है।

वह हम पर आध्यात्मिक एक्स-रे लगा रहा है और हमें मार रहा है। यह छठी आज्ञा का उल्लंघन है। व्यभिचार का मतलब है अपने जीवनसाथी के अलावा किसी और के साथ शारीरिक संबंध बनाना, है न? हाँ।

लेकिन क्या यही पूरी बात है? नहीं। यीशु कहते हैं कि अपने जीवनसाथी के अलावा किसी और व्यक्ति की इच्छा करो। वह कहते हैं कि एक स्त्री।

बेशक, यह सच है। लेकिन दूसरा विकल्प भी गलत होगा, जो आध्यात्मिक रूप से व्यभिचार करना है। हे यीशु, न केवल कानून, कानून के अक्षर, बल्कि सभी की आत्मा से बात करता है, जो कि 10वीं आज्ञा ने सबसे पहले किया था।

और पहले से ही प्रभु, दूसरी या तीसरी आज्ञा के संदर्भ में, उन लोगों की हज़ारों पीढ़ियों के प्रति दयालुता दिखा रहे हैं जो मुझसे प्रेम करते हैं और मेरी आज्ञाओं का पालन करते हैं। केल्विन सही है। हालाँकि इब्रानियों 12 में 10 आज्ञाओं और आतिशबाज़ी का हवाला दिया जा सकता है और आगे जाकर प्रभु सिनाई पर्वत से चिल्लाते हैं और लोग काँपते हैं और इसी तरह की अन्य बातें।

इसलिए, कानून लोगों को मसीह की आवश्यकता दिखाने का एक बढ़िया तरीका है। लेकिन केल्विन सही है। इसके मूल संदर्भ में, मैं प्रभु हूँ, तुम्हारा परमेश्वर, जिसने तुम्हें मिस्र की गुलामी से छुड़ाया।

मुझसे प्रेम करो और मेरी आज्ञाओं का पालन करो। दूसरी आज्ञा पर आते हैं। यह ईसाई जीवन के लिए एक मार्गदर्शक है।

यह वह तरीका था जिससे इस्राएल को परमेश्वर की कृपा, विश्वास और आने वाले उद्धारक की अब्राहमिक वाचा के प्रकाश में जीना था। उन्हें प्रभु, अपने परमेश्वर से प्रेम करना था और उसके नियमों का पालन करना था। यीशु ने कहा, यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो, तो मेरी आज्ञाओं का पालन करो।

यह अलग नहीं है। ओह, यह अलग है क्योंकि यह मसीहीकृत हो गया है। मुझसे प्यार करो, मेरी आज्ञाओं का पालन करो।

बेशक, उसका मतलब पिता और पवित्र आत्मा से भी प्रेम करना है। पाप में शब्द शामिल हैं। याकूब 3:1 से 12.

बाइबल का यह कैसा खंड है। यह मेरे जैसे लोगों को चेतावनी देता है, हे प्रभु, यह मेरी गलती नहीं है कि आपने मुझे केवल एक ही तरह से उपहार दिया है। मेरे भाइयों, आप में से बहुत से लोग शिक्षक न बनें।

क्योंकि आप जानते हैं, हम जो सिखाते हैं, उनका न्याय अधिक कठोरता से किया जाएगा। जब मैं, प्रभु ने मुझे 21 साल की उम्र में अपने पास लाया, तो मैं जो भी करने गया, मैंने उसे पढ़ाना ही शुरू कर दिया। और मैं ज्यादातर दूसरे काम नहीं कर पाया।

वैसे भी, भगवान अच्छे हैं। वह हम सभी को कम से कम एक उपहार देते हैं। मेरा एक दोस्त है जिसके पास बहुत सारे उपहार हैं।

मैंने कहा कि तुम मुसीबत में हो। तुम उन सभी कामों को नहीं कर सकते जिसके लिए तुममें प्रतिभा है। और उसने दूसरों को संभालना, उनकी मदद करना और दूसरों का नेतृत्व करना आदि सीखा है, जिसमें मैं भी शामिल हूँ।

वैसे भी, हम सभी कई तरह से ठोकर खाते हैं। अगर कोई अपनी बात कहने में नहीं लड़खड़ाता, तो वह एक आदर्श व्यक्ति है, जो अपने पूरे शरीर पर लगाम लगा सकता है। फिर वह इन विशाल जीवों के उदाहरणों का उपयोग करता है।

अपने फेसबुक पेज पर मैं घोड़ों की खूबसूरत तस्वीरें डालता हूँ। और कभी-कभी छोटे बच्चे उन पर सवार होते हैं या उनके बगल में होते हैं। वे बड़े जानवर हैं, यार, वे बड़े जानवर हैं।

लेकिन हम उनके मुंह में लगे एक बिट से उनके पूरे शरीर को नियंत्रित करते हैं। और एक जहाज बहुत बड़ा हो सकता है, जेम्स की कल्पना से भी कहीं ज़्यादा बड़ा। लेकिन एक छोटी सी पतवार।

मुझे पता है कि आज हमारे पास अलग-अलग चीजें हैं, लेकिन इसी तरह, उपकरण पूरे जहाज को उस तरह से चला सकते हैं जिस तरह से पायलट चाहता है। तो, जीभ भी एक छोटा अंग है, फिर भी यह दोनों काम करता है। यह अच्छाई और बुराई करने में सक्षम है।

वह जो कहता है, वह ऐसा नहीं है। वह जो कहता है, उसमें बड़ी-बड़ी बातें होती हैं। वह जीभ के बारे में शायद ही कोई अच्छी बात कहता है।

क्या बाइबल का पूरा संदेश यही है? नहीं। नीतिवचन कहता है कि इससे अच्छाई और बुराई दोनों ही निकलती है। यहाँ, वह बुराई पर ज़ोर देता है।

हे भगवान, क्या वह ऐसा करता है। इतनी छोटी सी आग से कितना बड़ा जंगल जल जाता है। एक लापरवाह कैम्प फायर या बिजली की चिंगारी से पूरा जंगल जलकर राख हो जाता है।

और जीभ एक आग है, अधर्म की दुनिया है। जीभ हमारे अंगों में बसी है, जो पूरे शरीर को दागदार कर देती है। हो सकता है कि आपने किसी फिल्म में या दुख की बात है कि वास्तविक जीवन में, एक बहुत ही सुंदर इंसान या पुरुष या खूबसूरत महिला को देखा हो।

और फिर वे अपना मुंह खोलते हैं। और ओह, यह बहुत दुखद है क्योंकि उनका सुंदर रूप, जो ईश्वर का उपहार है, एक गंदे मुंह से इतना खराब हो गया है कि आप शायद ही इस विरोधाभास को बर्दाश्त कर सकें। जीभ हमारे अंगों में से एक है, जो पूरे शरीर को दागदार कर देती है और पूरे जीवन काल के लिए आग लगा देती है। गेहेना इसे आग लगा देती है।

मैं भूल गया, इसका प्रयोग 12 बार, 13 बार, कुछ इस तरह किया गया है। इनमें से 12 बार सुसमाचार में यीशु ने इसका प्रयोग किया है। यहाँ दूसरा प्रयोग है।

कुछ बुरी संगति के बारे में बात करना गलत है। वाह। इसलिए, इससे पहले कि हम किसी को किसी गर्मागर्म बहस में अपनी बात कह दें, चुप हो जाएँ।

नीतिवचन की किताब कहती है कि मूर्ख, चाहे वह कितना भी शांत क्यों न हो, बुद्धिमान माना जाएगा। हे भगवान। हर तरह के जानवर और पक्षी, सरीसृप और समुद्री जीव।

यह उल्लेखनीय है। वह पहली सदी में मुझे यह लिख सकता था। इसे वश में किया जा सकता है और मानव जाति ने इसे वश में कर लिया है।

लेकिन कोई भी इंसान जीभ को काबू में नहीं कर सकता। इसका वजन कितना है? यह कितनी बड़ी है? बहुत बड़ी नहीं। इसका वजन कुछ औंस से ज़्यादा नहीं है।

यह एक बेचैन बुराई है, जो घातक जहर से भरी हुई है। वह एक रूपक का उपयोग कर जीभ की तुलना एक सांप, एक जहरीले सांप से कर रहा है। और फिर यहाँ वह जीभ के बारे में कुछ अच्छा कहती है, जैसा कि हमने पहले देखा था।

उनकी जीभों से हम अपने प्रभु और पिता को आशीर्वाद देते हैं। हाँ, यह अच्छा है, है न? नहीं, संदर्भ में नहीं। इसके द्वारा हम उन लोगों को शाप देते हैं जिन्हें परमेश्वर की समानता में बनाया गया है।

ओह! एक ही मुँह से आशीर्वाद और शाप दोनों निकलते हैं। मेरे भाइयो, ये बातें नहीं होनी चाहिए।

इसके बाद, वह परमेश्वर की स्तुति करने और परमेश्वर की छवि को कोसने के लिए भाषण का ऐसा उपयोग दिखाता है, जो वास्तव में परमेश्वर को कोसना है। यह अप्राकृतिक है। क्या एक ही छिद्र से ताजा और खारे पानी का झरना निकलता है? मुझे ऐसा नहीं लगता।

मेरे भाइयो, क्या अंजीर का पेड़ नंगे जैतून पैदा कर सकता है? नहीं, अंजीर। क्या अंगूर की बेल अंजीर पैदा कर सकती है? नहीं, अंगूर। न ही नमक का तालाब ताज़ा पानी दे सकता है।

वाह, मेरी बात। मैं अपना मामला यहीं समाप्त करता हूँ। पाप में वाणी के पाप भी शामिल हैं।

वैसे, अगर याकूब कोई उपाय बताता है, तो वह अगले श्लोकों में है, जो परमेश्वर से बुद्धि की बात करते हैं, ऊपर से बुद्धि, जो यहूदी भाषा में परमेश्वर की आत्मा से जुड़ी है। लेकिन वाह, यार, अरे यार। हमने पहले कहा था कि पाप धोखेबाज़ है।

मैं बस इसका संक्षिप्त पुनरावलोकन करूँगा। मैथ्यू 19, मुझे यकीन नहीं है कि यह एक कपटपूर्ण पाप है। यह गुप्त पाप है।

पाप वक्ता के लिए कोई ज़रूरत नहीं जानते। उसने परमेश्वर से उन्हें भी क्षमा करने के लिए कहा। मैथ्यू 7 में एक ऐसे आदमी का हास्यास्पद चित्रण है जिसकी आँख में टेलीफोन का खंभा है और वह एक ऐसे आदमी या महिला की मदद करने की कोशिश कर रहा है जिसकी आँख में धब्बा है।

कितना बेतुका है। हम आध्यात्मिक रूप से इतने अंधे कैसे हो सकते हैं कि हम अपनी आँखों में टेलीफोन पोल नहीं देख पाते क्योंकि पाप धोखा देने वाला है? सीएस लुईस ने इसे सही कहा। हम अच्छी तरह से जानते हैं, रोमियों अध्याय 2, कि जब मनुष्य के खिलाफ पाप किया जाता है तो वह प्रतिक्रिया करता है।

उन्होंने कहा कि हम अच्छी तरह जानते हैं क्योंकि जब हमारे खिलाफ पाप किया जाता है तो हम प्रतिक्रिया करते हैं। ओह, पतन के बाद से ऐसा करना स्वाभाविक है। इब्रानियों 3 में विशेष रूप से पाप की धोखेबाज़ी के बारे में बताया गया है।

और यिर्मयाह 17, मानव हृदय की धोखेबाज़ी और दुष्टता। इस कम-से-कम सुखद नोट पर, हम अपने अगले व्याख्यान में एक बहुत ही महत्वपूर्ण और उपेक्षित मामले पर चर्चा करने के लिए आगे बढ़ेंगे: पाप की अंतिम उत्पत्ति। वह पतन और मूल पाप का सिद्धांत है।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा मानवता और पाप के सिद्धांतों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 13 है, पाप का बाइबिल विवरण जारी, प्रमुख बाइबिल ग्रंथों की जांच।